हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, सोमवार 9 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 22 .0 डिग्री
न्यूनतम 9 .0 डिग्री

11 लक्ष्य तक पहुंचने के लिए छात्रों को किया प्रोत्साहित

11 हिंदुस्तान को विकसित करने में हर किसी को आगे....

खबर संक्षेप

साइबर ठगों ने 52 हजार का लगाया चूना

कैथल। साइबर ठगी के दो मामलों में साढ़े 52 हजार रुपये ठग लिए गए। दोनों मामलों में आरोपियों ने फोन पर पीड़ितों के पास लिंक भेजे गए और उन पर क्लिक करते ही रुपये कट गए। राजौंद थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। राजौंद थाना में दी शिकायत में सौंगल निवासी नरेश ने बताया कि तीन जनवरी को फोन पर टेलीग्राम टास्क को लेकर लिंक आया था।

पिकअप गाड़ी का पहिया निकलने से एक घायल

राजौंद। गांव किछाना व नीम वाला के बीच पिकअप गाड़ी का पहिया निकलने से व्यक्ति घायल हो गया जबकि चालक बाल बाल बच गया। गाड़ी असूलित होकर खदानों में उतरने से पेड़ से जा टकराई। चालक श्रवण ने बताया कि वह पंजाब के समाना मंडी से मटर का छिलका भरकर राजौंद गोशाला में जा रहा था।

फोटो-वीडियो एडिट कर इंस्टाग्राम पर की अपलोड

कैथल। शहर की कॉलोनी में व्यक्ति ने किशोरी की फोटो व वीडियो एडिट कर इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दी। इसके बाद आरोपी ने इंस्टाग्राम पर मैसेज भेजकर लड़की को लगातार परेशान करना शुरू कर दिया। आरोपी ने इंस्टाग्राम पर अभिषेक नाम से फर्जी आईडी बना रखी थी और खुद की फोटो नहीं लगाई थी। युवती ने जब इस बारे में अपनी मां को बताया तो मां ने शहर थाना में शिकायत दी।

दो साल से फरार चल रहा हत्यारा गिरफ्तार

कैथल। वर्ष 2024 दौरान गांव अटैला में लड़ाई झगड़ा में युवक की हत्या करने के मामले की जांच थाना सदर पुलिस के एएसआई जयपाल की टीम द्वारा करते आरोपी चक्कु लदाना निवासी लखन को चीका रोड से काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि किलाजफरगढ़ निवासी रामेश्वर की शिकायत पर मामला दर्ज किया था।

खेतों से तीन बिजली की मोटर-अन्य सामान चोरी

जींद। किलाजफरगढ़ में बीती रात चोरों ने खेतों से तीन बिजली मोटर, केबल सोलर पंप समेत अन्य सामान को को चोरी कर लिया। थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किलाजफरगढ़ निवासी वजीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया बीती रात चोरों ने खेत समेत पड़ोसी खेतों से तीन बिजली मोटर समेत अन्य उपकरणों को चोरी कर लिया।

कैथलः घर से नकदी और आभूषण चोरी

कैथल। प्रताप गेट स्थित एक घर से चोर नकदी व आभूषण चोरी करके ले गए। पुलिस ने शहर थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। प्रताप गेट निवासी राजकुमार ने शिकायत में बताया कि वह फेरी लगाने का काम काफी समय से करता आ रहा है। छह फरवरी की रात के समय वह और परिवार के सभी सदस्य एक कमरे में सो गए थे। दूसरे कमरे में वह पूजा अर्चना करते हैं।

संदिग्ध हालात में दो युवतियां लापता, केस

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से दो युवतियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। गांव कलावती निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस दोपहर बाद उसकी बेटी घर से गायब हो गई।

शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपये निर्धारित

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि सरकार ने प्रदेश के मधुमक्खी पालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय लिया है। सरकार ने भावांतर भरपाई योजना के तहत शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपये प्रति किलोग्राम तय कर दिया है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने किया शिलान्यास, जून 2027 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित

9. 54 करोड़ से बनेगी रेस्ट हाउस की अतिरिक्त तीन मंजिला इमारत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि नरवाना विधानसभा क्षेत्र ने विकास की नई उड़ान भर ली है। निकट भविष्य में प्रगति की इस रफ्तार को और गति मिलेगी तथा क्षेत्रवासियों को विकास परियोजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। गत वर्ष अगस्त में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा क्षेत्र के लिए करोड़ों रुपये की घोषित विकास परियोजनाओं पर काम शुरू हो गया है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर नरवाना विकसित क्षेत्र के रूप में उभरेगा। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रविवार को स्थानीय पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस की अतिरिक्त नई बिल्डिंग के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने नौ करोड़ 54 लाख 80 हजार रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाली रैस्ट हाउस की अतिरिक्त तीन मंजिला इमारत की नींव रखी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इस नई इमारत में भव्य और अत्य आधुनिक सुविधाओं से लैस कॉन्फ्रेंस हॉल, ड्रॉइंग रूम, किचन तथा रिसेप्शन का निर्माण ग्राउंड फ्लौर पर किया जाएगा। इसके अलावा अन्य दो मंजिलों पर अति विशिष्ट व्यक्तियों के ठहराव के लिए कमरे व आफिस बनाए जाएंगे। इस भवन का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य जून 2027 निर्धारित किया गया है। इस भवन के बनने से जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों को क्षेत्र व आमजन की समस्याएं सुनने और उनका समाधान सुनिश्चित करने में सुविधा रहेगी। राज्य सरकार प्रदेश के चंहुमुखी विकास की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

निरंतर प्रयासरत

कैबिनेट मंत्री ने यह भी कहा कि जल्द ही क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग पर बस स्टैंड और नागरिक अस्पताल के नए भवनों के निर्माण की शुरुआत भी की जाएगी। नरवाना शिक्षित, सुरक्षित और विकसित क्षेत्रों की अग्रणी पंक्ति में शुमार हो, यह उनका सपना है और इसे साकार करने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

गांव दर गांव सड़कों के निर्माण से कनेक्टिविटी हो रही है बेहतर

कैबिनेट मंत्री ने संबोधन में आगे कहा कि शहर वासियों को बरसाती सीजन में जलभराव से मुक्त करने तथा बेहतर सीवरेज व्यवस्था उपलब्ध करवाने के लिए पाइप लाईन बिछाने का कार्य लगभग पूरा कर लिया है। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली, सड़क तथा नहरी पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया जा रहा है। गांव दर गांव सड़कों के निर्माण से कनेक्टिविटी बेहतर हो रही है और ग्रामीण लोगों को सुलभ आवागमन सुविधा मिलने लगी है।

नशे के कारण बढ़ रहे मरीज, 300 तक पहुंची फेमिली चिकित्सक की ओपीडी

काला पीलिया कैथल में तेजी से फैला रहा अपने पांव

छह माह में काला पीलिया के 2000 तक पहुंचे मरीज

प्रतिदिन 10 से 15 एचसीवी वायरस-काला पीलिया तथा हैपेटाइटस सी व बी के मिल रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिले में इन दिनों काला पीलिया का कहर देखा जा रहा है। छह माह में ही काला पीलिया के करीब 2000 मरीज पहुंच गए हैं। यही कारण है कि कैथल के नागरिक अस्पताल में फेमिली चिकित्सक की ओपीडी प्रतिदिन 300 का आंकड़ा भी पार कर चुकी है। इन मरीजों में प्रतिदिन 10 से 15 एचसीवी वायरस-काला पीलिया तथा हैपेटाइटस सी व बी के पाए जा रहे हैं। मजे की बात ये है कि सरकार ने इन सभी बीमारियों के लिए निःशुल्क दवाइयों का प्रबंध किया है। यही कारण है कि अस्पताल में आने वाले अधिकतर मरीजों की खून की जांच की जा रही है ताकि यदि वह किसी भी बीमारी से पीड़ित है तो उसका पता लगाते समय पर रोकथाम की जा सके।

कैथल। नागरिक अस्पताल कैथल — फोटो : हरिभूमि

ये बरतें सावधानी

चिकित्सकों का कहना है कि बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वच्छता बनाए रखना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। हमें खाना खाने से पहले तथा बाद में हाथ धोने चाहिए। इसी प्रकार से बाथरूम जाने के बाद भी अच्छी तरह से हाथ धोने चाहिए। घर का बना हुआ शुद्ध भोजना खाना चाहिए। बाहर से बने खाने से बचना चाहिए तथा कम से कम खाना है। सीरिंज व सूई का केवल एक बार ही प्रयोग करना है। यदि बीमारी का कोई लक्षण दिखाई दे तो उपचार करवाएं।

स्वच्छता बरतने की जरूरत

नागरिक अस्पताल की फेमिली चिकित्सक डा. अंकिता सांगवान ने बताया कि जिले में पीलिया, हैपेटाइटस ए, बी व सी के मरीजों का इजाफा हो रहा है। ऐसे में सभी को खान पान व स्वच्छता को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है।

3 से 6 माह के कोर्स से मरीज स्वस्थ

नागरिक अस्पताल की फेमिली चिकित्सक डा. अंकिता सांगवान ने बताया कि उनके यहां प्रतिदिन 250 से 300 तक ओपीडी आ रही हैं। इनमें से प्रतिदिन 10 से 15 मरीज एचसीवी वायरस-काला पीलिया तथा हैपेटाइटस सी व बी के पाए जा रहे हैं। उनका कहना है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन बीमारियों की फ्री दवा मुहैया करवाई जा रही है। यही कारण है कि बडे पैमाने पर लोग जांच के लिए आगे आ रहे हैं। बताया कि हैपेटाइटस सी के लिए तीन माह व हैपेटाइटस बी के लिए छह माह तक दवाई दी जा रही है।

प्रत्येक जिले में दिया जा रहा उपचार

नागिरक अस्पताल के चिकित्सकों का कहना है कि पूरे प्रदेश में एचसीवी वायरस-काला पीलिया, हैपेटाइटस सी व बी पर रोकथाम को लेकर प्रदेश के सभी अस्पताल में इसका उपचार किया जा रहा है। यही कारण है कि कैथल के नागरिक अस्पताल में केवल जिले के मरीजों का ही उपचार किया जाता है। दूसरे जिलों से आने वाले मरीजों को उनके जिले में उपचार की सलाह दी जाती है ताकि उसका पूर्ण रिकार्ड तैयार करते हुए उसका सही तरह से उपचार किया जा सके।

बीमारी बढ़ने के मुख्य कारण

चिकित्सकों का कहना है कि काला पीलिया, हैपेटाइटस ए, सी व बी के बढने के मुख्य कारणों में सबसे ज्यादार वर्टिकल ट्रांसमिशन है। यदि कोई भी व्यक्ति इससे संक्रमित हो जाता है तो यह दूसरी पीढी या परिजनों को भी होने का अंदेशा बढ जाता है। इसके साथ ही जंक फूड तथा बाहर का दूषित खाना भी इसके मुख्य कारणों में शामिल है।

नशा बन रहा मुख्य संवाहक

इन बीमारियों के फैलने का सबसे अधिक कारण नशे का बढता प्रचलन है। हरियाणा का क्षेत्र पंजाब के साथ लगने के कारण युवा नशे की चपेट में आ रहे है। नशेडी युवा अधिकतर एक ही सीरिंज का बार बार तथा कई युवा प्रयोग करते हैं। ऐसे में यह बीमारियां तेजी से पांव पसार रही हैं।

बारात से लौट रहे कार सवारों पर किया हमला, चार घायल

18 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव झांज खुर्द के निकट बारात से लौट रहे कार सवारों पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया और गाड़ी के शीशे तोड़ डाले। हमले में कार सवार चार युवक भी घायल हो गए। सदर थाना पुलिस ने घायलों की शिकायत पर तीन युवकों को नामजद कर 15 अन्य के खिलाफ मारपीट करने तोडफ़ोड़ करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। गांव झांज कलां निवासी लोकेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती देर शाम को वह चचेरे भाई की बारात से कार में सवार होकर घर वापस लौट रहे थे। कार में उसके अलावा सुरेंद्र, दीपक, ईश्वर सवार थे। जब वे गांव के निकट पहुंचे तो बाइक सवार दो युवकों ने उनकी गाड़ी का रास्ता रोक लिया था।

मामले की जांच जारी

जब तक वे कुछ समझते तब तक कुछ युवक लाठियों तथा डंडों से उन टूट पड़े। गाड़ी के शीशे तोड़ डाले और उनके साथ मारपीट की। जिसमें चारों को गंभीर चोटें आई। ग्रामीणों को आता देख हमलावर धमकी देते फरार हो गए। परिजनों ने चारों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने सुरेंद्र की गंभीर हालात देख पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। सदर थाना पुलिस ने लोकेश की शिकायत पर नरेंद्र, अजय, विशाल को नामजद कर 15 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सदर थाना के जांच अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि मारपीट करने तथा तोडफ़ोड़ की शिकायत मिली थी। फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया है।

फाइनेंसरों से तंग आकर युवक ने की आत्महत्या

कैथल। फाइनेंसरों से तंग आकर प्रताप गेट पर 30 वर्षीय युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक युवक 30 वर्षीय राहुल प्रताप गेट का रहने वाला है। युवक ने घर के ऊपर वाले कमरे में जाकर जहरीला पदार्थ निगल लिया। मृतक की बहन ने शहर के कुछ फाइनेंसरों पर उसके भाई को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप लगाए है। पुलिस ने इस संबंध में फाइनेंसरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कर आगामी जांच शुरू कर दी है। शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में प्रताप गेट निवासी युवती पूजा ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 12 बजे वह घर पर नीचे कमरे में बैठी हुई थी तो उसका भाई राहुल उनके घर पर आया और सीधा घर की छत पर बने कमरे में चला गया। उसके करीब 15 मिनट बाद जब वह राहुल को देखने के लिए ऊपर कमरे में गई तो राहुल ऊपर बने चौबारे की छत पर उल्टियां कर रहा था। वे तुरंत उसके शहर के निजी अस्पताल में ले गए। वहां पर राहुल ने बताया कि उसने फाइनेंसरों से फाइनेंस पर रुपये लिए थे।

सीएम सैनी की घोषणा के बाद दो संस्थाओं में विवाद

- 31 लाख रुपये के चैक को लेकर असमंजस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

गत 19 जुलाई को दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के जन्मदिन पर जुलाना पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने क्षेत्र की दो प्रमुख संस्थाओं अग्रसैन धर्मशाला और गौशाला को 31 लाख रुपये देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद दोनों संस्थाओं में खुशी का माहौल था लेकिन अब चेक वितरण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री की ओर से 31 लाख रुपये का चेक केवल अग्रसैन धर्मशाला ट्रस्ट के नाम भेजा गया है। जबकि गौशाला के नाम चेक नहीं पहुंचा। इस स्थिति के चलते दोनों संस्थाओं के बीच आपसी विवाद उत्पन्न हो गया है और मामला प्रशासनिक स्तर पर चर्चा का विषय बन है। अग्रसैन धर्मशाला ट्रस्ट के प्रधान कैलाश सिंगला ने बताया कि उनकी संस्था के नाम 31 लाख का चेक प्राप्त हुआ है। चेक के साथ एक पत्र भी आया है। जिसमें स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि 31 लाख रुपये की लागत से बड़ा हॉल निर्माण किया जाना है।

मीड डे मील वर्कर्स ने 15 हजार प्रति माह वेतन मांग

जींद। नेहरू पार्क में रविवार को मीड डे मील वर्कर्स की बैठक राज्य प्रधान इंद्र सिंह मलिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मिड डे मील वर्कर की मांगों को लेकर विचार विमर्श किया गया। उन्होंने मांग की कि मिड डे मील वर्कर को महंगाई देखते हुए 15 हजार रुपये प्रति माह मेहनताना दिया जाए। मिड डे मील वर्कर को दस की बजाए 12 महीने का वेतन दिया जाए। 60 साल की आयु पूरी होने पर तीन लाख की आर्थिक सहायता दी जाए। ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर पांच लाख रुपये की आर्थिक सहातादी जानी चाहिए। मिड डे मील वर्कर को सौ बच्चों पर दो है अब सौ पर तीन व 200 बच्चों पर पांच कर दी जाए। मिड डे मील वर्कर को महीने में दो अवकाश दिया जाए। जिन स्कूलों में रसोईघर में गैस सिलेंडर की सुविधा नही है।

बोरिंग मशीन पर काम कर रहे मजूदर की 11000 वॉल्ट की बिजली लाइन की चपेट में आने से मौत

- गांव माजरा रोहेड़ा में घटना दूसरा साथी मजदूर भी घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

गांव माजरा रोहेड़ा में बोरिंग मशीन पर काम करते हुए दो मजदूर 11000 वॉल्ट की बिजली लाइन की चपेट में आ गए, जिससे एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा करंट लगने के कारण घायल हो गया। दोनों मजदूर दोपहर को बोरिंग मशीन लेकर गांव माजरा में पब्लिक हेल्थ की ओर से लगाए गए ट्यूबवेल को ठीक करने के लिए गए थे। ट्यूबवेल पिछले कई दिनों से खराब था। गांव के लोगों ने जैसे ही हादसे को देखा तो तुंरत इसकी सूचना राजौंद पुलिस को दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को अस्पताल पहुंचाया। वहां एक मजदूर को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरे का इलाज चल रहा है। मृतक व्यक्ति गांव मानस निवासी उदय सिंह है। जिसकी उम्र करीब 48 साल है। दो अन्य साथियों के साथ काम करने गया उदय मृतक व्यक्ति के जीजा गांव किठाना निवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि उदय सिंह शुरू से ही बोर लगने की मशीन पर काम करता था। रविवार को भी वह अपने दो अन्य साथियों के साथ काम करने के लिए गांव माजरा रोहेडा में गया था। अचानक से उनकी मशीन की तिपाई बिजली की हाई वोल्टेज लाइन से छू गई, जिससे उदय सिंह की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि उदय सिंह के परिवार में एक लड़का व 2 लड़की हैं। बच्चों की अभी शादी नहीं हुई है।

परिजनों के बयान पर होगी कार्रवाई

राजौंद थाना प्रभारी सतपाल ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही उनकी टीम मौके पर पहुंच गई। उन्होंने बताया कि मामले में मृतक के परिजनों के बयान पर इत्तेफाकिया मौत की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

प्रदर्शनी में छह पुरस्कार जीते, मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

पशु प्रदर्शनी में राष्ट्रीय गोशाला धड़ौली का परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कुरुक्षेत्र में आयोजित 41वीं राज्यस्तरीय पशु प्रदर्शनी में राष्ट्रीय गोशाला धड़ौली के पशुओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश ही नही बल्कि देशभर में गौशाला का नाम रोशन किया है। इस प्रदर्शनी में गोशाला धड़ौली के पशुओं ने दो प्रथम पुरस्कार, एक द्वितीय पुरस्कार तथा तीन सांत्वना पुरस्कार प्राप्त कर कुल छह पुरस्कार अपने नाम किए। गोशाला की इस उपलब्धी पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह और पशु पालन विभाग के मंत्री श्याम सिंह राणा ने गोशाला को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। गोशाला के प्रधान स्वामी यज्ञ मुनि ने बताया कि यह उपलब्धि गोशाला में वर्षों से किए जा रहे वैज्ञानिक गौपालन, उत्तम नस्ल संरक्षण, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और समर्पित सेवा का परिणाम है। गोशाला धड़ौली का उद्देश्य केवल पुरस्कार प्राप्त करना नही बल्कि भारतीय देशी गौवंश का संरक्षण, संवर्धन और प्रोत्साहन करना है। प्रधान यज्ञमुनि ने बताया कि राज्यस्तरीय पशु प्रदर्शनी में प्रदेश भर की अग्रणी गौशालाओं एवं पशुपालकों ने भाग लिया। जहां विशेषज्ञों की टीम द्वारा पशुओं की नस्ल, शारीरिक बनावट, स्वास्थ्य, दुग्ध क्षमता और देखभाल के मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया गया।

जींद। प्रदर्शनी में भाग लेते गोशाला धडौली के सदस्य। — फोटो :हरिभूमि

समाजसेवा निरंतर जारी रहेगी

इन सभी मानकों पर राष्ट्रीय गौशाला धड़ौली के पशुओं ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय गौशाला से जुड़े मास्टर सतबीर अत्री, पशु चिकित्सक राजू शर्मा, रामकुमार देशवाल समेत सेवाभावी कार्यकर्ताओं, पशु चिकित्सकों, दानदाताओं और सहयोगियों को देते कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से ही ये गौरवपूर्ण उपलब्धि संभव हो सकी है। प्रधान यज्ञमुनि ने विश्वास जताया कि भविष्य में भी राष्ट्रीय गौशाला धड़ौली इसी प्रकार गौसेवा, गौवंश संरक्षण और समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करती रहेगी।

जींद। डिप्टी स्पीकर से मिलते माजरा खाप प्रतिनिधि। — फोटो :हरिभूमि

माजरा खाप ने डिप्टी स्पीकर का जताया आभार

जींद। माजरा खाप पंचायत के निर्माणाधीन चबूतरे जो गांव रुपगढ़ में बनाया जा रहा है के निर्माण के लिए डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा खुले दिल से अपने कोटे से आर्थिक मदद करने के उपलक्ष्य में माजरा खाप पंचायत ने उनका धन्यवाद किया। प्रधान गुरविंदर सिंह ने खाप पंचायत की ओर से गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया। खाप प्रवक्ता समुन्द सिंह ने बताया कि डिप्टी स्पीकर ने एक साल पहले 21 लाख की ग्रांट चबुतरा केवल लिए दी थी। जिससे कार्य शुरू किया जा सका। अभी इसी माह में 31 लाख की ग्रांट चबुतरा के लिए ओर प्रदान की। दो योजनाओं से भी 11 लाख की ग्रांट चबुतरा केवल लिए दी गई है। कुल मिलाकर लगभग 70 लाख से अधिक पैसा माजरा खाप पंचायत जींद के चबुतरा के लिए जारी हो चुका है। इस पर महेंद्र सिंह, बिजेंद्र, बारुराम, दीपक सरपंच रुपगढ़, राजपाल, जयसिंह सैनी, रमेश मालिक सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे।

हारना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।
-हरिवंश राय बच्चन

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

कहानी
संगीता बैनीवाल

मेरु की बहू

घर के बाहरी हिस्से में एक बैठक है। बैठक का घर के बाहरवाई हिस्से में होने का कारण भी मैं आज तुम्हें जरूर बताऊंगी। क्योंकि आजकल बैठक घर के अंदर होती हैं पर मैं जिस बैठक की बात कर रही हूं, वो उस जमाने की भी याद दिलाती है, जब बैठक घर के बाहर होती थी और केवल पुरुषों के बैठने के काम आती थी। उस जमाने में बैठक घर के बाहर ही होती थी बताना इसलिए भी जरूरी है कि बैठक के बाहर होने के पीछे गांव की एक खास सोच थी, जिसे हम साझी सोच भी कह सकते हैं।

दरअसल, वह हर घर में लागू होती थी। बैठक तो उसका आधुनिक नाम है। यह वह बैठक है जिसमें केवल पुरुष बैठा करते थे। इस बैठक में घर की औरतें नहीं बैठती थी केवल आदमी और लड़के बैठते थे। यदि कोई मेहमान आता था तो वह बैठक में ही बैठता था। परिवार की रजामंदी पर ही वह घर के भीतर दाखिल हो सकता था। हां, अगर किसी मेहमान के साथ कोई औरत या लड़की आई है तो वह घर के अंदर आंगन में चली जाती थी, बिना रोक-टोक के। अगर किसी गरीब के घर में बैठक नहीं है तो अपने आसपास जो भी, जिस भी भाई की बैठक होती थी, अपने मेहमान को वहां बैठा दिया करते थे। इसके लिए उसे बैठक के मालिक से इजाजत लेने की आवश्यकता भी नहीं होती थी, इतना अधिकार तो आपस में समझा जाता था। अब समझ में आई बाहरवाई बैठक। यानी घर के पुरुष और बाहर के पुरुष उनके लिए होती थी यह बैठक। क्योंकि घर की बहू-बेटियों पर किसी की बुरी नजर ना पड़े इसलिए उनके लिए आंगन कोठड़ा कोठड़ी सूपा, बिसाला, दुकड़िया ये सब कमरों के नाम है इनमें कहीं भी किसी भी जगह बैठने की छूट होती थी।

अधिकतर घरों में आंगन भी दो ही होते थे, एक बाहरवाई जिसमें ये बैठक और पशुओं के रहने की जगह और उनके चारे के लिए कमरे बने होते थे। दूसरा एक भीतर आंगन जिसमें बहू बेटियां अपनी सुविधा के अनुसार रहती थी। कोई भी बड़ा-छोटा पुरुष आवाज करके ही आंगन में आता था ताकि बहू-बेटी अपने आप को संभाल ले, अपने कपड़े- वस्त्र इत्यादि ठीक-ठाक कर ले। जिन बहू को घूंघट करना होता था, वह अपना घूंघट कर ले। सभी औरतें संभल जाती तब कोई बड़ी औरत उस पुरुष को आवाज देकर अंदर बुलाती थी। तब तक पुरुष बाहर खड़ा इंतजार करता था। जब तक अंदर से आवाज ना आए, पुरुष अंदर दाखिल नहीं होता था। किसी बुजुर्ग औरत के आवाज लगाने पर कि "भाई कौन है अंदर आ जाओ।" तब पुरुष अंदर दाखिल होता था। यह सब बिलकुल सहज सा ही लगता था। इतना औपचारिक भी नहीं लगता था कि उस जमाने में जो आज सुनने में लग रहा है। कुटुंब का भी बड़े ओहदे का पुरुष आंगन के दरवाजे के पास पहुंच कर पहले खांसने की आवाज करता, जिसे खंगारा करना कहते थे, या किसी बच्चे का नाम जानता हो तो उस बच्चे के नाम से आवाज लगाता। जैसे 'रामसिंह!' आवाज लगाने के बाद इंतजार करता, यदि भीतर से कोई बुलावा आया है, उसकी पहचान हो गयी, तभी कोई बड़ी औरत भीतर आने के लिए कहती थी। इसके पीछे कारण यह भी था कि उस समय संयुक्त परिवार होते थे और संयुक्त परिवार में मनुष्य भी ज्यादा होते थे। उन पुरुषों का कोई गलत सोच का यार-दोस्त भी हो सकता था। इसलिए हर एक के लिए भीतर वाले आंगन में एंट्री नहीं थी, लेकिन इस व्यवस्था का एक विपरीत पक्ष भी था। अब जब कुछ सीधा होता है तो बैलेंस करने के लिए कुछ उल्टा भी जरूरी है। उल्टी बात यह थी कि बहू बहन-बेटियां बैठक में नहीं आ सकती थी, उन्हें इजाजत नहीं थी। वो बैठक में एक-दो शर्तों पर ही एंट्री मार सकती थी। एक तो सुबह के समय झाड़ लगाने के लिए, दूसरा जब बैठक में कोई पुरुष ना हो। दूसरी एंट्री दोपहर में कभी-कभी मिलती थी क्योंकि दोपहर में अधिकतर पुरुष खेतों में होते थे। जहां जाने पर रोक होती है, वहां जाने का उतना ही अधिक मन करता है।

हां, तो यह मेरे बचपन की वही बैठक है। आज मैं ससुराल से मायके में अपने घर आई हूं। इस समय शाम, गोधूलि वेला का वक्त है। सोचा कि बैठक में गेड़ा मार के आती हूं। यह गेड़ा आजकल वाले गेड़ा से अलग था। उस जमाने का गेड़ा भी बताऊंगी, कभी फुर्सत में। हां, तो मैं बैठक में आ गई हूं। पिता जी, चाचा-ताऊ, भाई उनकी अनुपस्थिति में भी उनके होने का अहसास लेने के लिए। मेरे साथ मेरी मां भी है। बैठक की दीवार पर पिताजी की फोटो टंगी हुई है। फोटो बहुत पुरानी है। बहुत पहले बनवाई हुई। इस फोटो में पिताजी जवान लगते हैं। 20-25 साल पुरानी तो जरूर होगी यह फोटो। इस फोटो पर नजर पड़ी और नजर पढ़ते ही मुझे फोटो से घूंघट सीन ताजा हो गया। सीन ताजा होते ही फिल्म की नायिका मेरु चौकीदार की पत्नी भुज्जी भी यादों में यूं आ टपक पड़ी, जैसे दुछत्ती से पुराने गुड़ का टोपा टपक जाता है। अब जब टपक पड़ी तो सोचा खैर-खबर भी ले ही लूँ।

'माँ !'

'हूँ' मां ने जवाब दिया।

'मेरु चौकीदार की बहू ठीक है?' मैंने पूछा।

'ओह! क्या बताऊं बेटी! वो तो होली के आसपास ही राम को प्यारी हो गई बेचारी।' मां का अफ़सोस भरा जवाब।

'अच्छा! ओह हो...! सच में? यूं कैसे?'

'हां बेटी...! उसको तो इतनी अच्छी तरह उठा के ले ग्या राम। सुबह की चाय पी के बैठी ही थी और बैठी-बैठी ही लुढ़क गई।'

मां उसकी यादों में पहुंच कर बोले जा रही थी।

'मेरु ने बहू-बेटों को आवाज़ लगाई। उन्होंने आकर देखा-संभाला, नब्ज देखी तो पता चला कि वह तो राम के घर पहुंच भी गई।'

मां के द्वारा बताने के लहजे में उसके जाने के दुख के साथ-साथ बिना तकलीफ ठीक-ठाक प्राण देने का सुकून ज्यादा झलक रहा था।

'मेरु की बहू भुज्जी कितनी सीधी थी ना।' अपने मन ही मन कहा मैंने। बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

एक बार की बात है, हम घर की सभी महिलाएं दोपहर में बैठक में लगे नए बिजली के पंखे की हवा ले रहीं थी। पंखा नया लगवाया था। सबसे पहले बैठक में ही लगा था। घर में अंदर अभी नहीं लगा था। उस समय पुरुष कोई था नहीं। सभी औरतें अपना काम निपटा कर बैठक में पंखे की हवा का आनंद ले रही थीं। उसी समय मेरु की बहू का आना हुआ। मैडम भुजी ने ये चमत्कार पहली बार देखा था। चलते हुए पंखे की गोल आकृति देख हैरतअंगेज थी कि ये गोल-गोल चीज अपने आप कैसे चल रही है, इसमें हवा कहां से आ रही है। मैं भी जादूगर सम्राट शंकर की फीलिंग लेकर पंखे का स्विच कभी ऑफ करती और कभी ऑन करती हुई भुज्जी की तरफ देख रही थी। उसके चेहरे पर आए अचंभित भावों को देखकर खुश हो रही थी। उसे समझाने की भी कोशिश कर रही थी कि यह चीज गोल नहीं है, स्विच ऑफ करके दिखाना चाह रही थी। इस पर वह और ज्यादा अचंभित हो गई, कहने लगी कि फिर यह गोल कैसे दिख रही थी। मेरे पिताजी साहूकार के घर पंखा झलने के लिए जाया करते थे। उस पंखे की तो लंबी झालर होती थी।

अब मैं मेरु की बहू की अचंभित बातों से बोर सी भी होने लगी थी। पंखे से नजर हटते ही मेरु की बहू की नजर पिताजी की फोटो पर पड़ी और नजर पड़ते ही वह सकपका गई। बस फिर क्या था। मुझे सुनहरी मौका मिल गया था, उसे सताने के लिए। मैंने झट सवाल किया।

'मेरु की बहू।'

'हाँ री ननद।' भुजी ने मेरी तरफ देखकर कहा।

'तुम अपने चाचा ससुर की फोटो के आगे बिना घुंघट के.....?'

मैंने बनावटी गुस्सा दिखाते हुए अपनी बात चालू रखी। 'आने दे शाम को पिताजी को.....। जरूर बताऊंगी। जरूर बताऊंगी कि तुम्हारी चौकीदारनी तो शहर की मेम बन गई है, घूंघट करना अब इसके बस का नहीं है।'

इतना सुनते ही मेरु की बहू ने झट घूंघट कर लिया पिताजी की फोटो से। और मुझसे मिन्नत करने लगी 'री ननद, हाथ जोड़ विनती करूं हूं। देखोए ये बात नंबरदार जी को नहीं बताना। मेरा भरी पंचायत में मजाक बन जाएगा और चौकीदार तो हर रोज मुझे ताने देगा, सो अलग। मैंने तो नंबरदार जी की फोटो देखी ही नहीं थी, अगर देखी होती तो क्या मैं ऐसा काम करती। री, नंद अबकी बार बचा ले।'

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

आज बैठक में खड़ी, मेरे अंदर यादों के ये सब चलचित्र बारी-बारी से आते गए और जाते गए आंसुओं से धुंधला भी रहे थे। गला भर आया। अब मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया बैठक में। आंखों से पानी बह रहा था, गला भर गया था। अकेली मेरु की बहू खड़ी थी मेरे सामने। मैं बस इतना ही कह पाई।

'कुछ साल तो और रुक जाती मेरु की बहू...! बैरन....! इतनी क्यों जल्दी मचाई जाने की?

बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

गीत
प्रीति पाठक 'प्रीति'

शिव आराधना

देवों के हैं देव महादेव शिव शंकर
नाम है अनेक जिसमें इक है गंगाधर
शिव अनुकम्पा से जीवन होगा बेहतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव औघड़, आशुतोष, गृहस्थ, महायोगी
त्यागी और तपस्वी हैं हमारे शिव वियोगी
शिव महिमा को बिल्कुल न समझो तुम कमतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव ज्ञान के वेद रामायण के प्रणेता
मानव के आदर्श शिव हैं रक्षक देवता
भक्तजनों की वेदना लेते शिव हैं हर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव संगीत के स्वर हैं शिव स्मृति उत्सव
शिव गौरव हैं प्रेम के दुष्टों के भैरव
शिव आराधना से मिले मोक्ष का अवसर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

कविता
सपना

एक पल

एक पल जो सिर्फ मेरा हो।
एक पल जिसमें ख़ुद से मिलना हो ॥
एक पल जिसमें जिम्मेदारी न हो किसी रिश्ते की।
एक पल जिसमें जवाबदेही न हो आठों पहर की ॥
एक पल जिसमें मेरे होने का एहसास हो।
एक पल जिसमें शब्दों की जरूरत न हो ॥
एक पल जो एक कप चाय में शक्कर की तरह घुल जाए।
एक पाल जो पूरे दिन का आधार बन जाए ॥
एक पल जिसमें दिन भर की थकान बातों से पिघल जाए।
एक पल जिसमें बिन सवाल हर जवाब मिल जाए ॥
एक पल जिसमें हँसते हुए डर न लगे।
एक पल जिसमें जीवन संघर्ष न लगे॥
एक पल..
सि र्फ एक पल ..जो सिर्फ मेरा हो ॥

कविता
मनीषा मंजरी

प्रदर्शन का युग

प्रदर्शित पीड़ा हीं अब समझ आएगी,
निःशब्द चीखें ना किसी को लुभाएगी।

युग प्रदर्शन का, विचित्रता का पर्याय बना,
अश्लीलता, इस सभ्यता की पहचान चुराएगी।

दयनीयता अब आँखों को कहाँ रुलायेगी,
पथ की हर ठोकर, मनोरंजन का विषय कहलाएगी।

निजता - शालीनता, अदृश्यता की सार्थकता को पाएगी,
आडम्बर, मूर्छित व्यक्तित्व की चिताएं सजायेगी।

परनिंदा, दिनचर्या का हिस्सा बन जायेगी,
निर्णयात्मकता की कटार, बस स्वयं को बचाएगी।

हर क्षण की कहानियां, परदों पर छाएगी,
सहायता को बढ़ेंगे हाथ नहीं, बस टिप्पणियां लिखी जाएंगी।

इस संवेदनशून्यता की नींद, क्या कभी खुल पाएगी,
या मृत अस्तित्व के बाजार में, हर चेतना लूटी जायेगी।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

लघु कथा
डा. मधुकांत

एक नई उड़ान

हरियाणा के एक छोटे से कस्बे में सूरज की पहली किरण अभी खिड़की से अंदर आई ही थी कि भतेरी के घर में चहल-पहल शुरू हो गई। सुमेर प्रतिदिन की भांति अपने पुराने ऑटो के पास पहुँचा। जैसे ही उसने ऑटो स्टार्ट करने के लिए हैंडल खींचा, भतेरी रसोई से ताज़ा बनी रोटियों का लंच बॉक्स लेकर दौड़ती हुई आई। उसने इठलाते हुए और चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान के साथ सुमेर को डब्बा पकड़ाया। 'आज शाम को ज़रा घर जल्दी आ जाना,' उसने धीमे से कहा। सुमेर ने माथे पर बल देते हुए पूछा, 'क्यों भाई? आज क्या खास बात है? क्या फिर से कोई पड़ोस की पंचायत है?'

भतेरी ने बनावटी गुस्से में अपना हाथ कमर पर रखा और बोली, 'आपको तो कुछ याद रहता नहीं! आज हमारी शादी की पहली सालगिरह है। पिछले साल इसी दिन मैं इस घर में आई थी।' सुमेर का चेहरा थोड़ा उतर गया। वह दिल का बुरा नहीं था, लेकिन उसे शाम को दोस्तों के साथ बैठकर शराब पीने की लत थी। उसने ईमानदारी से कहा, 'देखो भतेरी, जल्दी आ गया तो घर में क्लेश ही होगा। तुम्हें मेरा पीना पसंद नहीं और मैं अभी इसे छोड़ नहीं सकता। फिर सालगिरह का मज़ा तो किरकिरा हो जाएगा ना?'

भतेरी ने एक गहरी साँस ली। वह सुमेर को बदलना चाहती थी, पर लड़कर नहीं, बल्कि प्यार से। उसने सुझाव दिया, 'आप आज बाहर मत रुकना। आप घर पर बैठकर ही अपना खाना-पीना करना। कम से कम मुझे आपकी सुरक्षा की चिंता तो नहीं रहेगी। सड़क पर नशे में ऑटो चलाना ठीक नहीं है।'

सुमेर की आँखें चमक उठीं। उसे लगा जैसे उसे अपनी पसंद की चीज़ के लिए लाइसेंस मिल गया हो। वह खिलखिलाकर बोला, 'अरे वाह मेरी धन्नो! आज तो मज़ा आ गया। तू तो बड़ी समझदार निकली।' सुमेर जब भी भतेरी से बहुत खुश होता या जिस दिन उसकी अच्छी कमाई होती, वह उसे प्यार से 'धन्नो' पुकारता था। भतेरी का नाम उसकी दादी ने रखा था। वह अपने माता-पिता की तीसरी बेटी थी। दादी को पोते की प्रबल चाहत थी, इसलिए जब तीसरी बार भी लड़की हुई, तो उन्होंने खीझकर उसका नाम 'भतेरी' रख दिया, जिसका अर्थ था—'अब बहुत हुई, और नहीं चाहिए।' बाद में जब घर में छोटा भाई पैदा हुआ, तो तीनों बहनों का जीवन जैसे सहायक जैसा हो गया। भतेरी ने पढ़ाई तो की, लेकिन उसका अधिकांश समय भाई के डायपर बदलने और उसे खिलाने में बीतता। स्कूल के दिनों में वह साइकिल चलाने में बहुत माहिर थी; वह लड़कों को भी पीछे छोड़ देती थी। लेकिन समाज की बेड़ियों ने उसे रसोई तक सीमित कर दिया। शादी के बाद जब वह सुमेर के घर आई, तो उसने देखा कि सुमेर के पास कमाई का साधन सिर्फ एक पुराना ऑटो है। एक रात सुमेर भारी नशे में था। उसे सवारियाँ छोड़नी थी, लेकिन उसकी आँखें मुंद रही थीं। उसने मज़ाक-मज़ाक में भतेरी को स्टेयरिंग पर बैठने को कहा।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

एक दोपहर सुमेर को तेज़ बुखार था। तभी पड़ोस के घर से चीखने की आवाज़ें आईं। पड़ोस की महिला को प्रसव पीड़ा हो रही थी और कोई वाहन उपलब्ध नहीं था। एम्बुलेंस आने में वक्त था। भतेरी ने बिना देर किए सुमेर के ऑटो की चाबी उठाई और उन सबको अस्पताल पहुँचाया। उस दिन कस्बे के लोगों ने उसे एक नया नाम दिया-'गुलाबो'। उसकी फुर्ती और मददगार स्वभाव ने सबका दिल जीत लिया। धीरे-धीरे गुलाबो ने तय किया कि वह घर बैठने के बजाय सुमेर का हाथ बँटाएगी। उसने अकेले ऑटो लेकर निकलना शुरू कर दिया। पहले ही दिन जब वह शाम को घर लौटी, तो उसके पल्ले में 500 रुपये बँधे थे। सुमेर हैरान था। गुलाबो की यह पहली स्वतंत्र कमाई थी। एक महिला को ऑटो चलाते देखना शहर के लिए नई बात थी। स्थानीय पत्रकारों ने गुलाबो के संघर्ष और उसकी हिम्मत की कहानी फोटो के साथ अखबार में छाप दी। शीर्षक था- 'सपनों को मिला गियरः शहर की पहली महिला ऑटो चालक।' यह खबर 'स्त्री शक्ति संगठन' तक पहुँची। संगठन की अध्यक्ष ने गुलाबो से मुलाकात की और उसकी आर्थिक स्थिति को समझा। उन्होंने बैंक से बात करके बहुत ही कम ब्याज दर पर गुलाबो को एक नया ऑटो दिलाने में मदद की। संयोग से, वह ऑटो कंपनी महिलाओं के लिए विशेष रूप से गुलाबी रंग के ऑटो बना रही थी, जिनमें सुरक्षा के लिए जीपीएस और पैनिक बटन भी थे। जब गुलाबी ऑटो शहर की सड़कों पर उतरा, तो वह आकर्षण का केंद्र बन गया। महिला यात्री, कॉलेज जाने वाली लड़कियाँ और बुजुर्ग महिलाएँ अब गुलाबो के ऑटो का इंतज़ार करने लगीं क्योंकि वे उसमें खुद को सुरक्षित महसूस करती थीं।

गुलाबो की सफलता देखकर कस्बे की अन्य पाँच महिलाएँ भी उसके पास आईं। वे भी आत्मनिर्भर बनना चाहती थीं। गुलाबो ने उन्हें न केवल ऑटो चलाना सिखाया, बल्कि उन्हें बैंक से लोन दिलाने में भी मदद की। अब शहर में 'गुलाबी ऑटो' की एक पूरी फौज थी। सुमेर अब अपने पुराने ऑटो से काम करता था और गुलाबो अपने नए गुलाबी ऑटो से। दोनों की संयुक्त आय से घर की आर्थिक स्थिति सुधर गई। फूस के छप्पर की जगह पक्का कमरा बन गया। सबसे बड़ा बदलाव सुमेर में आया। अपनी पत्नी की मेहनत और समाज में उसकी इज़्ज़त देखकर सुमेर का सिर गर्व से ऊँचा हो गया। उसे अहसास हुआ कि जिस शराब के पीछे वह अपनी कमाई लुटाता था, वह उनके सुखद भविष्य में बाधा है। अब वह शाम को बाहर नहीं रुकता था। वह घर आकर गुलाबो के साथ बैठकर दिनभर की बातें करता। गुलाबो ने उसे पूरी तरह शराब छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया, बल्कि प्यार से उसे 'सीमित' कर दिया। वह कहती, 'आज ज्यादा थक गए हो, तो बस थोड़ी सी घर पर ही ले लो।'

धीरे-धीरे सुमेर को अहसास हुआ कि उसे शराब से ज्यादा खुशी अपनी पत्नी के साथ हँसने-बोलने में मिलती है। भतेरी, जिसका नाम 'बहुत हुई' के नकारात्मक भाव से रखा गया था, आज पूरे शहर के लिए 'मिसाल' बन चुकी थी। उसने साबित कर दिया कि एक महिला अगर ठान ले, तो वह न केवल अपना भाग्य बदल सकती है, बल्कि अपने जीवनसाथी को भी सही राह पर ला सकती है। आज जब भी कोई गुलाबी ऑटो सड़क से गुज़रता है, तो वह केवल एक वाहन नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दौड़ती-भागती गौरव गाथा नज़र आता है।

स्वतंत्रता संग्राम की गुमनाम वीरांगना : नीरा आर्य

पुस्तक: नीरा आर्य : अद्भुत वीरांगना
लेखक: प्रोफेसर एम एम जुनेजा
मूल्य: 200 रुपये
प्रकाशक: मॉडर्न पब्लिशर, जीरकपुर

पुस्तक समीक्षा
डॉ. विजेंद्र कुमार

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अनेक गुमनाम नायकों के अद्भुत शौर्य व बलिदान की अनेक कहानियां अभी भी आलोक की प्रतीक्षा कर रही हैं। जो समाज अपने इतिहास को याद नहीं रखता, वह धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। प्रोफेसर एम.एम. जुनेजा एक ऐसी मशाल हैं जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम अनमोल रत्नों को आलोकित करने के लिए निरंतर प्रज्वलमान हैं। स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के प्रति उनके हृदय में जो सम्मान है वह उनकी लेखनी से अवतरित होता है। वे अब तक 3 दर्जन ऐतिहासिक शोध ग्रंथ समाज को विशेषकर युवा पीढ़ी को समर्पित कर चुके हैं। इन शोधग्रंथों में से 24 कृतियां स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को समर्पित हैं। डॉ. जुनेजा द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक और गुमनाम वीरांगना नीरा आर्य पर यह पुस्तक उन्होंने अंडमान निकोबार के आदिवासियों को समर्पित की है। यह पुस्तक उत्तरप्रदेश के खेकड़ा गांव में एक किसान परिवार में जन्मी नीरा आर्य के स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत योगदान पर केंद्रित है। विद्वान लेखक ने बड़े शोध-पूर्ण ढंग से प्रतिपादित किया है कि मात्र 9 वर्ष की आयु में अनाथ हुई नीरा ने किस तरह आज़ाद हिंद फौज के माध्यम से अंग्रेजों से संघर्ष में अपना जीवन समर्पित कर दिया। तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था को रेखांकित करते हुए लेखक ने बताया कि नीरा के माता-पिता की बीमारी के दौरान गांव के साहूकार से कर्ज लेने तथा उनके माता-पिता के निधन के बाद किस तरह साहूकार द्वारा कर्ज के बदले उनकी पैतृक संपत्ति कुर्क करके उसके घर पर भी कब्जा कर लिया गया। मात्र 8-9 वर्ष की आयु में वह अबोध बालिका व उसका भाई अनाथ होकर सड़क पर आ गये थे। उस समय के दानवीर व समाजसेवी सेठ छाजूराम ने नीरा व उसके भाई को गोद ले लिया। आजादी के संघर्ष के महान नायकों पर लिखी पुस्तकों की भांति डॉक्टर जुनेजा की यह पुस्तक भी युवा पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रेरणादाई है। एक और गुमनाम वीरांगना की शौर्य गाथा को प्रस्तुत करने के लिए डॉक्टर जुनेजा आभारी हैं। डॉक्टर जुनेजा की अन्य पुस्तकों की तरह ही यह पुस्तक भी संग्रहणीय है।

खबर संक्षेप

दहेज प्रथा की समाप्ति के लिए प्रशासन का सहयोग करें

जींद। जुलाना के एसडीएम होशियार सिंह ने बताया कि दहेज लेना व देना कानूनन अपराध है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे दहेज प्रथा को समाप्त करने में प्रशासन का सहयोग करें। अगर किसी व्यक्ति के साथ ऐसा अपराध होता है तो वे तुरंत कार्यालय के दूरभाष नंबर 01683-298098 पर सम्पर्क कर सकते है व ईमेल पर अपनी सूचना भेज सकते है।

वर्षीतप पारणा महोत्सव भटिंडा में 19 अप्रैल को

उचाना। संघ प्रमुख आगम ज्ञाता अरूण चंद्र महाराज का इस बार वर्षीतप पारणा उनकी जन्म भूमि भटिंडा (पंजाब) में होगा। इस दिन आसपास के राज्यों से लोग पहुंचेंगे। 19 अप्रैल को वर्षीतप पारणा महोत्सव होगा। विभिन्न जगहों पर धर्म का प्रचार करने के लिए जा रहे अरूण चंद्र महाराज समैण से विहार करके टोहाना पहुंच चुके है। नरवाना, बिठमड़ा में धर्म का प्रचार करते समैण के रास्ते श्रद्धालुओं के साथ टोहाना रजबाहा के पास स्थित जैन स्थानक पहुंचे।

जुलाना में कुम्हार समाज की बैठक

जुलाना। जुलाना क्षेत्र की कुम्हार धर्मशाला में कुम्हार समाज की एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता राजेंद्र ने की। बैठक को संबोधित करते हुए राजेंद्र ने कहा कि सरकार द्वारा मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हारों को जमीन उपलब्ध करवाने की जो घोषणा की गई थी।

साइबर धोखाधड़ी होने पर 1930 पर करें शिकायत

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। किसी भी अनजान कॉलए संदिग्ध लिंक या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। किसी भी तरह की ऑनलाइन धोखाधड़ी या साइबर क्राइम की घटना होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर सूचना दें।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना बन रही मददगार

कैथल। हरियाणा सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की सहायता के लिए क्रियान्वित की जा रही मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना समाज के सभी वर्गों की बेटियों और दिव्यांगजनों की शादी में एक बड़ा संबल साबित हो रही है।डीसी अपराजिता ने इस संबंध में जानकारी देते बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में आने वाली आर्थिक चिंता को दूर करना और समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

बाइक चोरी मामले में बेलजंपर आरोपी काबू

कैथल। चौकी अनाज मंडी पुलिस प्रभारी एएसआई दयानन्द की अगुवाई में एसआई रमेश की टीम द्वारा आरोपी जिला जींद के गांव रामराय निवासी दीपक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया को आरोपी दीपक पर 14 जून 2019 को खुराना रोड़ कैथल से एक बाइक चोरी करने का आरोप है। जिस बारे थाना शहर में मामला दर्ज है।

भर्ती प्रक्रिया नीति की कड़ी आलोचना

कैथल। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की हरियाणा राज्य कमेटी प्रदेश सरकार की नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया नीति की कड़ी आलोचना करती है। माकपा राज्य सचिव कामरेड प्रेम चंद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि हरियाणा लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा गंभीर सवालों के घेरे में है।

बात्ता में भारतीय जनता मजदूर सेल की बैठक

कलायत। भारतीय जनता मजदूर सेल द्वारा कलायत के गांव बात्ता में संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया। संगठन की मजबूती व भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा हुई। अध्यक्षता संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अर्नाब ने की। दीपक को भारतीय जनता मजदूर सेल का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया।

जाट शाइनिंग स्टार स्कूल में वार्षिक परीक्षा से पूर्व कार्यक्रम

लक्ष्य तक पहुंचने के लिए छात्रों को किया प्रोत्साहित

अच्छे मन से परीक्षा देने और अच्छे अंक लाने के लिए किया प्रेरित

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। हवन में आहुति डालते जाट शिक्षा समिति के पदाधिकारी व स्टाफ सदस्य।

जाट शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल, कैथल में 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक परीक्षा से पहले उज्ज्वल भविष्य की कामना के लिए एक भव्य हवन समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए शुभकामनाओं का प्रतीक था, जिसमें समस्त स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। पंडित ने पूरे विधि-विधान के साथ यज्ञ संपन्न करवाया, जिसमें समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों द्वारा आहूति डाली गई और पूर्णाहुति के बाद मिष्ठान बांटा गया। यह अवसर वातावरण को शुद्ध करने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का महत्वपूर्ण माध्यम था, जो विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। विद्यालय के प्राचार्य पंकज गुप्ता ने इस अवसर पर विशेष रूप से विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें अच्छे मन से परीक्षा देने और अच्छे अंक लाने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य ने बच्चों को अपने संबोधन में कहा, /"आज हम यहाँ वार्षिक परीक्षा से पहले भव्य हवन समारोह के माध्यम से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं। हवन-यज्ञ प्राचीन काल से ही शुभ कार्यों के लिए महत्वपूर्ण रहा है, जब बिना इसके कोई भी उद्देश्य पूरा नहीं होता था। यह समारोह विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करेगा, उन्हें नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा। यह आयोजन स्कूल की परंपराओं को जीवंत करता है, जहाँ आध्यात्मिक और शैक्षिक प्रोत्साहन एक साथ मिलते हैं। इस अवसर पर जाट हाई स्कूल समिति के प्रधान राजकुमार बेनीवाल, बलजिंदर बनवाला, एडवोकेट रश्मि ढुल, बलकार नैन, जसवीर, सत्यवान माजरा, राजपाल, सन्नी, स्वतंत्र पाल, दलबीर, विक्रम, महावीर कुंडू, महावीर रावीश, रजत रापड़िया, कुलदीप सिंह, दिनेश ढिल्लों नरेश राणा भी विशेष रूप से इस समारोह में शामिल हुए। राजकुमार बेनीवाल ने बच्चों को अपने संबोधन में कहा, /"शिक्षा हमारे जीवन की आधारशिला है, और विद्यार्थी अपने लक्ष्यों को निर्धारित करके मेहनत, संयम, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ उन्हें प्राप्त करने का प्रयास करें। यह आयोजन जाट शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल की परंपराओं को जीवंत करता है, जहां शैक्षिक उत्सवों के माध्यम से विद्यार्थियों को आध्यात्मिक और शैक्षिक रूप से प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसे कार्यक्रम स्कूल के वातावरण को सकारात्मक बनाए रखते हैं और विद्यार्थियों को शुभकामनाओं के साथ परीक्षा के लिए तैयार करते हैं।

करियर काउंसलिंग पर कार्यशाला

पूंडरी। ईश्वर सिंह कन्या कालेज पूंडरी के वाणिज्य विभाग द्वारा "करियर काउंसलिंग और टीम बिल्डिंग" विषय पर दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. शंकुतला सिंगला ने किया। उन्होंने कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं का स्वागत करते छात्राओं को सही करियर चुनने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया और महत्वपूर्ण तथ्यों पर अपने विचार साझा किए। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विनय खुरानिया ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते मुख्य वक्ताओं का परिचय कराया।

जब तक बुजुर्गों का सम्मान बहाल नहीं होगा, आंदोलन जारी रहेगा: माजरा

कैथल। पूर्व संसदीय सचिव व इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा प्रदेश में पिछले दो माह में एक लाख से ज्यादा बुजुर्गों की बुढ़ापा पेंशन काटी जा चुकी है। परेशान बुजुर्ग समाज कल्याण विभाग के चक्कर काट रहे हैं, बीजेपी सरकार और प्रशासन इसका कोई समाधान नहीं निकाल रहा है, जिन लोगों के घर में साइकिल भी नहीं है, ऐसे गरीब लोगों की फैमिली आईडी में कई-कई गाड़ियां चढ़ा दी हैं और उनकी बुढ़ापा पेंशन बंद कर दी है। बुजुर्गों की परेशानी को देखते 20 को इनेलो पंचकुला में प्रर्दशन करेगी, प्रदेशभर के बुजुर्ग और महिलाएं शामिल होंगी। रामपाल माजरा अपने निवास पर सेक्टर-20 में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे, कि चौधरी देवी लाल ने 100 रुपये बुजुर्गों की पेंशन शुरू की थी।

वृद्ध पेंशन पर डाका डाल रही सरकार : राजीव आर्य

ढांड। गांव पबनावा में किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा की बैठक सरकार के खिलाफ गुस्से का विस्फोट बन गई। बैठक में किसानों, मजदूरों और बुजुर्गों ने एक स्वर में कहा कि हरियाणा सरकार गरीबों पर जुल्म की सारी हदें पार कर चुकी है। भाकियू के वरिष्ठ नेता व युवा प्रधान हरियाणा राजीव आर्य ढांड ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का "किसान का बेटा" होना अब सिर्फ एक राजनीतिक ढोंग बनकर रह गया है। कहा "जो सरकार पूर्व सांसदों और विधायकों को जिंदगी भर लाखों की पेंशन बांट रही है, वही सरकार गरीब किसान-मजदूर के बूढ़े मां-बाप की पेंशन काटकर लूट और अपमान कर रही है। यह शासन नहीं, बल्कि गरीब विरोधी नीति है।"राजीव आर्य ने कहा कि वृद्ध पेंशन भीख नहीं, बल्कि बुजुर्गों का हक और सम्मान है। कागजी शर्तों के नाम पर हजारों की पेंशन काटना अमानवीय है।

खबर संक्षेप

जींद। प्रतियोगिता की विजेता टीम। फोटो :हरिभूमि

सोनीपत 36-0 से पानीपत को हराकर अव्वल रहा

जींद। 11वीं हरियाणा अंतर जिला सीनियर रग्बी सेवन प्रतियोगिता का आयोजन कैथल पुलिस लाइंस ग्राउंड पर कैथल रग्बी संघ द्वारा किया गया। प्रतियोगिता विश्व रग्बी एवं इंडिया रग्बी कॉलीफाइड मैच ऑफिशियल द्वारा संचालित की गई। जिसमें तिलक राज, रोहित, शैलेंद्र, सागर, सुमन शिवा, थापा और रविंद्र शामिल थे। कुल 17 टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। जींद रग्बी संघ के अध्यक्ष सुरेश अहलावत ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला अध्यक्ष एवं एइओ खेल रमेश चहल की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि डीएसपी सुशील प्रकाश द्वारा किया। प्रतियोगिता में पुरुषों में सोनीपत ने फाइनल मैच में 36-0 से पानीपत की टीम को हरा कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा हिसार की टीम तीसरे स्थान पर रही। महिलाओं में पानीपत प्रथम की टीम ने फाइनल में जींद को हरा कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा चरखी-दादरी की टीम तृतीय स्थान कर रही। इसके अलावा अंडर 18 और अंडर 15 की लड़कियों के भी ट्रायल लिए गए।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे और मुख्य अतिथि। फोटो :हरिभूमि

रूपगढ़ स्कूल में वार्षिक समारोह का आयोजन

जींद। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रूपगढ़ जीतगढ़ में शनिवार को वार्षिक उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी सरोज श्योकंद व रूपगढ़ के सरपंच दीपक मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सरपंच दीपक ने अपने निजी कोष से अपने परिवार की तरफ से दोनों सरकारी विद्यालयों को एक-एक कमरा दान में दिया। साथ ही पंचायत फंड से स्टेज निर्माण की बनवाने हेतू वायदा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दीपक, सरोज श्योकंद, पूर्व सरपंच संदीप व प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार द्वारा दीप प्रज्जवलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते प्रधानाचार्य सुरेंद्र मलिक ने शैक्षणिक और सहशैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। साथ-साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी सभी स्टाफ सदस्यों का धन्यवाद किया। नन्हे-मुन्ने छात्र व छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक लोक नृत्य और शिक्षाप्रद नाटकों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेधावी बच्चों को मेडल पहना कर सम्मानित किया गया।

जुलाना। कार्यक्रम में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते मुख्यातिथि।

गढ़वाली में पहुंचने पर विजेताओं को किया सम्मानित

जुलाना। सऊदी अरब के रियाद में आयोजित एशिया लैक्रोस चैंपियनशिप में गढ़वाली के आशीष गोयत ने शानदार प्रदर्शन करते गोल्ड मेडल जीतकर न केवल गांव बल्कि देश का नाम रोशन किया। दोनों खिलाड़ियों की ऐतिहासिक उपलब्धि पर गांव में सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सम्मान समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने शिरकत की। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते कहा कि आशीष गोयत और खुशबू मलिक जैसे खिलाड़ी आज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर गोल्ड जीतना बड़ी उपलब्धि है। ऐसे खिलाडियों को समाज का सहयोग मिलना चाहिए ताकि वे आगे भी देश के लिए पदक जीत सकें। विशिष्ट अतिथि के रूप में जुलाना से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी और बरोदा के पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान मौजूद रहे।

गजट नोटिफिकेशन वापस लेने की मांग उठाई

जींद। हरियाणा सरकार द्वारा दिव्यांग कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु से संबंधित हालिया गजट नोटिफिकेशन के विरोध तथा दिव्यांग कर्मचारियों के सेवा अधिकारों की रक्षा को लेकर पिंडारा स्थित धर्मशाला में राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन किया। बैठक का आयोजन विकलांग संघ उमंग सिरसा एवं हरियाणा प्रगतिशील दिव्यांग शिक्षा अधिकारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से दिव्यांग हितैषी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अध्यक्षता राजेंद्र आजाद ने की। मुख्य वक्ता के रूप में उमंग संस्था के संरक्षक सुभाष गुलरिया ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि सरकार द्वारा जारी गजट नोटिफिकेशन दिव्यांग कर्मचारियों के साथ अन्यायपूर्ण है। जिससे उनके सेवा अधिकारों का सीधा हनन होता है। बैठक में सर्वसम्मति से मांग उठाई कि सरकार निर्णय पर सहानुभूतिपूर्वक पुनर्विचार करते गजट नोटिफिकेशन को तत्काल वापस ले।

जींद। रक्तदाताओं को बैज लगाते डा. राज सैनी। फोटो :हरिभूमि

शिविर में 61 युवाओं ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

जींद। युवा विकास समिति द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता और नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि डा. राज सैनी ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। रक्तदाताओं को बैज लगाते हुए युवाओं का हौसला बढ़ाया। डा. राज सैनी ने कहा कि रक्तदान की पूर्ति केवल मनुष्य ही कर सकता है। इसलिए मनुष्य को रक्तदान करते रहना चाहिए। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति तीन महीने बाद रक्तदान कर सकता है। विशिष्ट अतिथि के तौर पर राष्ट्रीय कवि ओमप्रकाश चौहान, धर्मराज जागलान, नर्सिंग ऑफिसर मनीषा बरसाना, एएसआई नेहा यादव, डा. दिनेश सैनी ने शिरकत की। समिति उपाध्यक्ष शीला सैनी ने बताया कि रक्तदान शिविर में 61 युवाओं ने रक्तदान किया। राष्ट्रीय कवि ओमप्रकाश चौहान ने कहा कि समिति समाजसेवा के काम कर रही है। इस मौके सुनील सैनी, प्रवीण सैनी, लाजपत सिंगला, महीपाल कौशिक, अभिषेक, मोहित शर्मा आदि मौजूद रहे।

कवि और साहित्यकारों को किया सम्मानित

कैथल। संगीत साहित्य कला मंच कैथल द्वारा साहित्य सभा के प्रधान प्रोफ्रेसर अमृत लाल मदान और मंच संस्थापक संगीत विशारद श्याम सुंदर शर्मा गौड़ के सौजन्य से सातवें वार्षिक उत्सव ' सबरस कार्यक्रम एवं सम्मान-समारोह, 2026 का आयोजन किया । वसंत ऋतु के आगमन के उपलक्ष में आयोजित इस आयोजन में वरिष्ठ साहित्यकार डा. हरीश चंद्र झंडई ने मुख्य अतिथि के रूप में और प्रोफ्रेसर अमृत लाल मदान ने समारोह-अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।मंच-संचालन डा. अशोक ने किया। कार्यक्रम का आरंभ प्रसिद्ध संगीतज्ञ श्याम सुंदर शर्मा गौड़ द्वारा गई सरस्वती-वंदना से हुआ।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते कमलेश शर्मा ने कहा कि डा. अशोक मेरे होनहार छात्र रहे हैं। उनका अशोक से डा. अशोक होना उन द्वारा किये गये जीवन-संघर्ष की कहानी कहता है।

जींद। परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करवाते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

छात्रवृत्ति के लिए 2376 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने एवं आर्थिक रूप से सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में विद्यालय सहित आसपास के क्षेत्र के लगभग 2376 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा का उद्देश्य मेधावी, परिश्रमी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें आगे की शिक्षा के लिए प्रेरित करना रहा। विद्यालय परिसर में सुबह से ही उत्साह का माहौल देखने को मिला। परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक भी समय से पहले विद्यालय पहुंचे। विद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे। कक्षा अनुसार अलग-अलग परीक्षा कक्ष बनाए गए थे तथा प्रत्येक कक्ष में निरीक्षक नियुक्त किए गए। जिससे परीक्षा पूर्णतः निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके। छात्रवृत्ति परीक्षा विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की। जिसमें सामान्य ज्ञान, गणितीय क्षमता, तार्किक योग्यता और भाषा ज्ञान से संबंधित प्रश्न शामिल थे। प्रश्नपत्र विद्यार्थियों की मानसिक क्षमता और बौद्धिक विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया था ताकि विद्यार्थियों की वास्तविक प्रतिभा सामने आ सके। प्राचार्य रविंद्र ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित नहीं है बल्कि विद्यार्थी की छिपी प्रतिभा को पहचान कर उसे सही दिशा देना।

नागरिक अस्पताल में डस्टबिनों में नहीं लगाए जा रहे पालीथिन

जींद। सरकारी व निजी अस्पतालों में बायोमेडिकल वेस्ट का सही निस्तारण होना जरूरी है। अगर ऐसा न हो तो इस से संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में बायोमेडिकल वेस्ट का सही निस्तारण तो हो रहा है लेकिन इसका रखरखाव सही नहीं होने से परेशानी हो सकती है। जिन डस्टबिन में बायोमेडिकल वेस्ट डाला जाता है, नियमों के अनुसार उनमें पालीथिन लगाकर रखने होते हैं ताकि जिस कंपनी को ठेका दिया गया हैए वह इन डस्टबिन से पालीथिन निकाल कर ले जाए लेकिन नागरिक अस्पताल में ऐसा नहीं हो रहा है। बिना पालीथिन के डस्टबिन में बायोमेडिकल वेस्ट रखना काफी खतरनाक हो सकता है। ऐसे में इससे संक्रमण फैलने का खतरा बन सकता है।

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते डा. पुष्पा तायल। फोटो :हरिभूमि

बजट से महिलाओं के साथ देश की तकदीर बदलेगी: तायल

जींद। भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल ने कहा कि केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री सीतारमण ने हर वर्ग के साथ-साथ महिलाओ का विशेष ध्यान में रखा सै। बजट से आमजन के साथ महिलाओं की दशा के साथ तकदीर भी बद्लेगी। जो देश की दिशा बद्लने का काम करेगी। यो बजट खासतौर पे महिलाओं, बेटियों अर परिवारां के उज्ज्वल भविष्य खातर बहुत मजबूत कदम सै। डा. पुष्पा तायल रविवार को जुलाना में केंद्रीय बजट 2026 पर महिलाओं से चर्चा कर रही थी। इस मौके पर एससी मोर्चा के प्रदेश सचिवड़ा. भारतभूषण टांक भी मुख्यअतिथि के तौर पर मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि आज की नारी सिर्फ घर तक सीमित नहीं है बल्कि हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। सरकार ने इस बजट में महिलाओं नै आत्मनिर्भर बनाण पे पूरा जोर दिया सै। इस बजट में महिला स्वयं सहायता समूह, सिलाई, कढ़ाई, डेयरी, स्टार्टअप अर छोटे बिजनेस खातर लोन अर ट्रेनिंग की सुविधा बढ़ाई गई सै। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना नै और मजबूत किया गया सै। स्कूल, कॉलेज में छात्रवृत्ति डिजिटल पढ़ाई अर सेफ ट्रांसपोर्ट की सुविधा दी जा री सै। उन्होंने कहा कि महिलाओं खातर फ्री चेकअप, मातृत्व योजना, पोषण अर अस्पतालां में खास सुविधाएं बढ़ाई गई सै। साथ ही सुरक्षा पे भी खास ध्यान दिया गया सै।

कैथल। कार्यशाला के दौरान एमडी सूबे सिंह व अन्य अध्यापक।

जेंडर संवेदनशीलता विषय पर कार्यशाला

कैथल। डिवाइन ग्रेस पब्लिक स्कूल ढांड में शिक्षकों की दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 'कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम' के अंतर्गत एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का मुख्य विषय स्कूलों में जेंडर संवेदनशीलता रहा।कार्यशाला में मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक के रूप में श्वेता गर्ग उपस्थित रही। शिक्षकों को संबोधित करते कहा कि स्कूलों में जेंडर संवेदनशीलता एक समावेशी, सम्मानजनक और प्रगतिशील समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्कूल न केवल अकादमिक शिक्षा के केंद्र हैं, बल्कि ऐसी जगहें भी हैं जहाँ छात्र मूल्य, दृष्टिकोण और सामाजिक व्यवहार सीखते हैं। जेंडर संवेदनशीलता को बढ़ावा देने से छात्रों को समानता समझने, विविधता का सम्मान करने और रूढ़ियों को चुनौती देने में मदद मिलती है। यह लड़कों और लड़कियों दोनों को पढ़ाई, खेल, नेतृत्व की भूमिकाओं और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में समान रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षक समावेशी भाषा का उपयोग कर क्लासरूम में निष्पक्ष तरीके अपनाकर और धमकाने, भेदभाव व पक्षपात जैसे मुद्दों को संबोधित करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विराट हिंदू सम्मेलन में उमड़ा आस्था का सैलाब

सीवन। सीवन के रामलीला मैदान में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन ने रविवार को पूरे सीवन क्षेत्र को भगवामय वातावरण में रंग दिया। सुबह से ही लोगों का भारी समूह सम्मेलन स्थल की ओर उमड़ पड़ा। हाथों में भगवा ध्वज, होठों पर जयघोष और चेहरों पर उत्साह यह दर्शा रहा था कि यह आयोजन केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सनातन चेतना का उत्सव बन चुका है। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की बड़ी भागीदारी ने सम्मेलन को विशेष ऊर्जा प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य सुदर्शन शर्मा, मुख्य वक्ता सामाजिक चिंतक राजेश पानीपत, वरिष्ठ संत महंत रामस्वरूप दास शास्त्री तथा संत छविराम दास की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन के दौरान पूरा पंडाल तालियों और जयकारों से गूंज उठा। जिला उपाध्यक्ष शैली मुंजाल, नगर पालिका अध्यक्षा हेमलता सैनी, सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन बलविंद्र जांगड़ा, संदीप सैनी, पार्षद संजय कंसल, मोंटी कामरा, विकास शर्मा, श्री राम वाल्मीकि, विक्की गोयल सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

सीवन। वरिष्ठ संत महंत रामस्वरूप दास शास्त्री तथा संत छविराम दास सीवन में हिंदू सम्मेलन का शुभारंभ करते। फोटो :हरिभूमि

कलायत। बालू में जुलानी खेड़ा गांव के सरपंच एवं भाजपा नेता नरेंद्र जुलानीखेड़ा का सम्मान करते कार्यक्रम आयोजक।

गांव बालू में रविदास जयंती मनाई

कलायत। कलायत के गांव बालू में संत शिरोमणी गुरु रविदास जयंती महोत्सव के तहत डा.भीम राव अंबेडकर भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में गांव जुलानी खेड़ा के सरपंच एवं भाजपा बालू मंडल अध्यक्ष नरेंद्र जुलानी खेड़ा ने शिरकत की। नरेंद्र जुलानी खेड़ा ने कहा कि संत-महात्माओं ने अपनी वाणी से जो संदेश दिए हैं उन्हें आत्मसात करने की जरूरत है। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की शिक्षाएं समाज को हमेशा जगाने का काम करती रहेंगी। संत शिरोमणि ने ही ऊंच-नीच का भेद मिटाने का संदेश दिया। नारी शिक्षा पर बल दिया था। कहा था कि जन्म से कोई महान नहीं होता बल्कि आदमी अपने कर्म से ही महान होता है। संत शिरोमणी रविदास ने दुनिया में भक्ति आंदोलन और भारत रत्न डा.भीम राव अंबेडकर ने शिक्षा का प्रकाश फैलाने का काम किया। जुलानी खेड़ा डा.भीम राव अंबेडकर सोसायटी के प्रधान मनोज कुमार नरसी राम, मोतीराम जगलाना, प्रवीण कुमार, ईश्वर, सुनील कुमार, मनोहर, दलीप सिंह, शमशेर, बालू मंडल महामंत्री कृष्ण कुमार, बलजीत बालू आदि मौजूद रहे।

शिव पब्लिक स्कूल में लगी विज्ञान प्रदर्शनी का किया आयोजन

हिंदुस्तान को विकसित करने में हर किसी को आगे आना होगा : अमरपाल राणा

प्रदर्शनी में 400 बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर मॉडल प्रदर्शित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

हरियाणा सहकारिता बैंक के चेयरमैन अमरपाल राणा ने कहा कि जो स्कूल अपने छात्रों को तकनीकि युग के गुर सिखा रहे हैं, वे सही मायने में विकसित भारत की सोच को सींचित कर रहे है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के विजन को लेकर जिस तरह आगे बढ़ रहे है उसको फलीभुत करने के लिए हर किसी को आगे आना होगा। खासकर छात्र और छात्राएं जब संस्कारो के साथ अपनी शिक्षा को आगे बढ़ायेंगे तो वह देश के विकास में अहम रोल अदा करेंगे। चेयरमैन अमरपाल राणा रविवार को रोहतक रोड के नजदीक शिव पब्लिक स्कूल में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में बतौर मुख्यअतिथि कहे। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन शिव नारायण शर्मा और प्रिंसिपल वृंदा सोनू शर्मा ने मुख्यअतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। विज्ञान प्रदर्शनी में लगभग 400 बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते ऐसे मॉडल प्रदर्शित किए, जिनको देखकर हर कोई दंग रह गया। छोटे-छोटे बच्चों की प्रदर्शनी को देखकर मुख्यअतिथि दंग रह गए और उन्होंने स्कूल प्रबंधन की जमकर सराहना की। मुख्यअतिथि ने कहा कि जिस स्कूल का स्टाफ शिद्दत और समर्पण के साथ अनुशासन भरे माहौल में बच्चों को अध्यन करवाता है उसके निश्चित तौर पर परिणाम सार्थक निकलते है। स्कूल प्रिंसिपल वृंदा शर्मा ने कहा कि निरंतर अभ्यास से हर व्यक्ति परफेक्ट बन सकता है। इस सोच को सींचते हुए बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। टीचरों की दिखाई दिशा और बच्चों की मेहनत का ही परिणाम है कि आज विज्ञान प्रदर्शनी की हर अतिथि सराहना कर रहा है। स्कूल चेयरमैन शिव नारायण शर्मा ने कहा कि अनुशासन के माहौल में पढ़ने वाले बच्चों को निश्चित तौर पर सफलता हाथ लगती है।

ये रहे मौजूद

समाज सेवियों को स्कूल प्रबंधन की और से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मनोज सोनी, रामधन लाठर, ब्राह्मण सभा के पूर्व प्रधान राजेश गौतम सहित अनेको अतिथि मौजूद थे। विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार वितरण किए गए।

खबर संक्षेप

राजौंद। शिवरात्रि के दौरान सजाया जा रहा दुर्गा मंदिर।

महाशिवरात्रि को लेकर सजाए जा रहे मंदिर

राजौंद। महाशिवरात्रि पर्व प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी 15 फरवरी बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। क्षेत्र के कुछ मंदिरों में महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं द्वारा जल चढ़ाने के लिए विशेष प्रबंध किए जाते हैं। पंडित राम भगत आचार्य हरितस ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर शिव मंदिर में स्थित शिव लिंग पर जल चढ़ाने से 16 सोमवार जल चढ़ाने के समान पुण्य लगता है। उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर व्रत रखने वाले श्रद्धालु फलाहार पर व्रत कर सकते हैं। आचार्य ने बताया कि महाशिवरात्रि महा पर्व आदि-अनादि देव महादेव का पर्व है। यह पर्व वर्ष में दो बार मनाया जाता है। प्रथम फाल्गुन माह में तथा दूसरा श्रावण माह में।

त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव मनाया गया

कलायत। कलायत के कुलवंत नगर में ब्रह्माकुमारी आश्रम द्वारा महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव उमंग एवं उल्लास के साथ मनाया गया। उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के तौर पर थाना प्रभारी बलबीर सिंह ने ब्रह्माकुमारी आश्रम का परंपरा अनुसार ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। आयोजन की अध्यक्षता ब्रह्माकुमारी आश्रम की बहन रेखा द्वारा की गई। थाना प्रभारी ने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक कार्यक्रम सही मायने में समाज में शांति, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। इससे मेलजोल की भावना बढ़ती है जिससे अपराध पर अंकुश लगाने में मदद मिलती है।

बीमा योजना कारगर हो रही साबित : डीसी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना नागरिकों के लिए कारगर सिद्ध हो रही है। इन योजनाओं के फार्म प्रत्येक बैंक व डाकघर में उपलब्ध हैं। इन योजनाओं में निर्धारित वार्षिक प्रीमियम जमा करवा कर दो लाख रुपये तक का बीमा होता है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने प्रत्येक बैंक उपभोक्ता को जीवन सुरक्षा बीमा योजना का लाभ देने के लिए दो स्कीम चलाई हुई हैं। सामाजिक सुरक्षा योजना सामान्य परिवार को मुश्किल की घड़ी में आर्थिक समर्थन देकर मजबूत बनाती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 वर्ष आयु के व्यक्ति नामांकन करवा सकते है। योजना के तहत 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम जमा करवाना होता है।

ज्ञान गंगा ग्लोबल अकेडमी में वार्षिकोत्सव का आयोजन

जल्द होगी सबसे बड़ी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता : कार्तिकेय शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा।

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि भारत में जितने भी स्कूल हैं, उन सबको एक न्योता दिया जा रहा है कि भारत का सबसे बडी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसका पुरस्कार एक करोड़ रुपये होगा।

उन्होंने जींद के सभी स्कूलों से आह्वान किया कि इस प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर भाग लें। इस प्रतियोगिता में जो भी स्कूल टीम जीतेगी, उसे पुरस्कार के तौर पर एक करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। वो उम्मीद करते हैं कि जब भी इस प्रतियोगिता का रिजल्ट आए और उसमें जींद के स्कूल का नाम आए और वो एक करोड़ रुपये का पुरस्कार जीते तो उन्हें बहुत खुशी होगी। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा रविवार को भिवानी रोड स्थित ज्ञान गंगा ग्लोबल अकेडमी द्वारा रविवार को आयोजित वार्षिक समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा भी मौजूद रहे। इस मौके पर एसके गुरप ऑफ इंस्टीटयूशन चेयरमैन राधेश्याम शर्मा, राजेश शर्मा, धर्मवीर पिंडारा, हरीराम दीक्षित सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा तथा हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा को खुली जीप में बैठा कर कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। यहां राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा तथा हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने राधे-राधे चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निर्मित प्रशासनिक भवन का उद्घाटन भी किया। राज्यसभा सांसद ने यहां ज्ञान गंगा केंद्र देने की घोषणा की। एआई आधारित बच्चे ज्ञान गंगा केंद्र के माध्यम से बेहतरीन शिक्षा प्राप्त कर सकें। वो घोषणा करते हैं कि जींद में भी वो एक रथ भेज रहे हैं। यहां भी जल्द ही कैंसर को लेकर माताओं व बहनों की स्क्रीनिंग शुरू होगी। कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि आज भारत की संज्ञा दुनिया में बदल गई है। इसके कारण आज दुनिया भारत को अलग तरीके से देख रही है। यह इसलिए संभव हो पाया है कि भारतीय होने पर हमें गर्व है। आज हम जब भारत की बात करते हैं, भारत की जो उपलब्धियां हैं, भारत का जो इतिहास है, आज का भारत का युवा पूरे गर्व के साथ अपनी भारतीय होने का प्रतीक और आगे बढने का फैसला करता है तो पूरी दुनिया उसे मान-सम्मान देती है। आज एआई के जमाने में हमारे बच्चों को सबसे अच्छी उत्तम शिक्षा मिले, यह प्रयास होना चाहिए। भारत को आगे ले जाने में हर बच्चे को अपना योगदान देना चाहिए।

- विजेता को मिलेगा एक करोड़ पुरस्कार : शर्मा

'नमो शक्ति रथ' की पहल

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में हमें मातृ शक्ति का भी ध्यान रखना है। चाहे वो ड्रोन दीदी की बात हो, लखपति दीदी की बात हो, जिस भी तरीके से हमारी मातृशक्ति जो हमारे घर को संभालती हैं, उनकी चिंता हमें करनी है। इसीलिए उन्होंने नमो शक्ति रथ नाम से एक पहल की शुरूआत उन्होंने की है। इस रथ के माध्यम से माताओं व बहनों में गंभीर बीमारियों का उपचार किया जा सके। कैंसर से हमारी माताओं व बहनों का बचाना है। उन्होंने कहा कि नमो शक्ति रथ एक ऐसी पहल है, जिसका उद्देश्य यह है कि अगर हमारी माताएं व बहनें स्वस्थ हैं तो हमारा परिवार स्वस्थ है।

भाजपा सरकार किसान हितैषी : देवेंद्र चतुर्भुज

अलेवा। संडील गांव में देश भक्त किसान चौपाल कार्यक्रम में भाग लेते ग्रामीण।

- संडील गांव में देशभक्त किसान चौपाल का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

संडील गांव के राजकीय उच्च विद्यालय में रविवार को देशभक्त किसान चौपाल का आयोजन किया गया। देश भक्त किसान चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. आभे राम ने की तथा मुख्य तौर पर उचाना कलां के विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री ने व वशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढूल ने हिस्सा लिया।

किसान चौपाल में संडील के लोगों द्वारा गांव के दो तालाबों की सौंदर्यकरण के तहत खुदाई, खेतों के कच्चे रास्तों का पक्का करने व गांव के जिन किसानों द्वारा खेतों के लिए बिजली कनेक्शन अप्लाई किए हैं वो सभी कनेक्शन कराए जाएं। देश भक्त किसान चौपाल में कुल 128 शिकायतें मिली। शिकायतों के निपटारे के लिए विधायक व जिला अध्यक्ष द्वारा पांच सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई है। विधायक व जिलाध्यक्ष द्वारा बनाई कमेटी 15 दिनों के दौरान आने वाली सभी शिकायतों का संबंधित अधिक रियों को भेजकर समाधान करवाएगी। विधायक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र व हरियाणा सरकार किसानों के हितों के लिए लगातार कार्य कर रही है और आज का यह कार्यक्रम भी राजनीतिक नहीं है। यह केवल किसानों के लिए किया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री किसानों के लिए आए दिन कल्याणकारी योजनाएं लेकर आ रहे हैं और किसान इसका फायदा भी उठा रहे हैं। भाजपा सरकार किसान हितैषी सरकार है। जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढुल ने कहा कि सरकार ने किसानों के हितों में तमाम महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की है।

ऑस्ट्रिया में रहकर भी क्षेत्र से जुड़ा पबनावा का नरेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

- पबनावा लगातार कर रहे जरूरतमंदों की मदद

विदेशों में बसने के बाद अक्सर लोग अपने गांव-समाज से दूर हो जाते हैं, लेकिन गांव पबनावा निवासी समाजसेवी एवं वार्ड-13 से जिला परिषद के भावी उम्मीदवार नरेश पबनावा इसके बिल्कुल विपरीत मिसाल पेश कर रहे हैं।

ऑस्ट्रिया में रहने के बावजूद वे लगातार अपने क्षेत्र के जरूरतमंदों, पीड़ित परिवारों और गरीब लोगों की आर्थिक सहायता कर मानवता का परिचय दे रहे हैं।नरेश पबनावा लंबे समय से अपने निजी कोष से ऑस्ट्रिया से ही सहयोग राशि भेजकर जरूरतमंद परिवारों की मदद करते आ रहे हैं। किसी परिवार में बीमारी, आर्थिक तंगी, शिक्षा या अन्य संकट की सूचना मिलते ही वे बिना किसी भेदभाव के सहायता के लिए आगे आते हैं। उनके इस कार्य से अनेक परिवारों को राहत मिली है और क्षेत्र में उनकी सराहना की जा रही है। नरेश पबनावा केवल राजनीति के लिए नहीं बल्कि सेवा भाव से लोगों के साथ खड़े रहते हैं। विदेश में रहकर भी अपने गांव और क्षेत्र के लोगों के दुख-दर्द को समझना और समय-समय पर सहयोग करना उनकी समाज के प्रति जिम्मेदारी को दर्शाता है। नरेश पबनावा का कहना है कि समाज ने उन्हें बहुत कुछ दिया है और जरूरत के समय लोगों के साथ खड़ा रहना उनका कर्तव्य है।

गोल्डन आवर में मदद करने से न डरें : डीसी

जींद । डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के समय गोल्डन ऑवर में दी गई त्वरित सहायता किसी की जान बचा सकती है और ऐसे में आगे आने वाले राह वीरों (नेक आदमी) को किसी भी प्रकार के डर या कानूनी झंझट की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने बताया कि मोटर वाहन संशोधन अधिनियम 2019 की धारा 134ए के तहत अधिसूचित गुड समैरिटन नियमों के अनुसार दुर्घटना पीड़ित की मदद करने वाले व्यक्ति को न तो हिरासत में लिया जा सकता है। न उससे जबरन व्यक्तिगत जानकारी मांगी जा सकती है और न ही उसे अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं में उलझाया जा सकता है। प्रचलित मिथकों को दूर करते हुए बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल की सहायता करने पर किसी प्रकार की कानूनी परेशानी नहीं होती।

ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग शिविर संपन्न

छात्रों को दोपहिया वाहनों की सर्विसिंग तथा आधुनिक तकनीकी उपकरणों की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद। सोंगरी गुलियाना में प्रशिक्षण के दौरान मौजूद स्टाफ सदस्य।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सोंगरी गुलियाना के व्यावसायिक शिक्षा (वोकेशनल एजुकेशन) के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए आयोजित 5 दिवसीय ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) प्रशिक्षण शिविर का सफल समापन हो गया।

इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक कार्यस्थल का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था, ताकि वे रोजगारोन्मुख बन सकें। विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश कुमार ने बताया कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग में केवल पुस्तकीय ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यावहारिक कौशल और कार्यस्थल का अनुभव छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ऑटोमोटिव ट्रेड के विद्यार्थियों ने वोकेशनल ट्रेनर अरविंद चहल के मार्गदर्शन में चौधरी ऑटो एजेंसी (हीरो), कैथल में प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को दोपहिया वाहनों की सर्विसिंग, इंजन की कार्यप्रणाली, मरम्मत, रख-रखाव तथा आधुनिक तकनीकी उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी गई।

छात्रों ने वास्तविक कार्यशाला वातावरण में कार्य कर महत्वपूर्ण व्यावहारिक अनुभव अर्जित किया। पीसीए ट्रेड के विद्यार्थियों ने वोकेशनल टीचर सीमा लॉलर के नेतृत्व में मायरा अस्पताल, करनाल रोड, कैथल में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान छात्रों को मरीजों की देखभाल, प्राथमिक उपचार, अस्पताल प्रबंधन, स्वच्छता, मरीजों से संवाद एवं नैतिक व्यवहार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। अस्पताल के वरिष्ठ स्टाफ परनीत कौर ने विद्यार्थियों को विभिन्न मेडिकल प्रक्रियाओं की जानकारी दी और उनसे फीडबैक भी लिया। अस्पताल प्रबंधक जसपाल तथा लैब टेक्नीशियन मनीष ने प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया।

समापन अवसर पर प्रधानाचार्य रमेश कुमार ने छात्रों के अनुशासन, मेहनत और सीखने की लगन की सराहना की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इस चौधरी ऑटो एजेंसी एवं मायरा अस्पताल के प्रबंधन का विशेष आभार व्यक्त किया।

प्रदेश में डबल वैकेंसी सरकार : रणदीप सुरजेवाला

- ज्ञानदीप वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाडला के वार्षिक समारोह को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। सांसद रणदीप सुरजेवाला को सम्मानित करते पदाधिकारी ।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कैथल के गांव पाडला स्थित ज्ञानदीप वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम में छोटे बच्चों ने गिद्दा, डांस और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनकी सभी ने खूब सराहना की। मुख्य अतिथि रणदीप सुरजेवाला ने सभी प्रतिभागी बच्चों को गिफ्ट देकर सम्मानित किया। स्कूल के प्रधानाचार्य सोहन लाल धारीवाल ने मुख्यातिथि रणदीप सुरजेवाला का स्वागत किया, जबकि संस्था के प्रबंधक बीरबल सिंह धारीवाल ने बुके भेंट कर उनका सम्मान किया। इस मौके पर बीआरडीएम स्कूल के संचालक वरुण जैन और नराडांचल स्कूल के संचालक सुरेश नैन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में रणदीप सिंह सुरजेवाला ने नायब सैनी सरकार के "शिक्षा मॉडल" पर करारा हमला बोला। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 185 सरकारी कॉलेजों में से 75 (40%) बिना नियमित प्रिंसिपल चल रहे हैं। 8 कॉलेजों में प्रिंसिपल का पद ही स्वीकृत नहीं है। 8137 असिस्टेंट प्रोफेसर पदों में से 4902 (60%) खाली हैं।

कार्यक्रम में राधा कृष्ण स्कूल के प्रबंधक लाभ सिंह, बीपीआर स्कूल के प्रबंधक सरवन कुमार, खुशी राम, सरपंच रामभज, बलजीत सिंह, रोशन लाल पाडला, पवन कुमार, रीना रानी, बाला देवी, लक्ष्मी, सुनीता, मोहन सिंह, दरबारा नैन, राजकुमार बैनीवाल बुढ़ाखेड़ा, सतीश नायडू, नरेश शर्मा सांगन, कृष्ण मानस, सुरेश पट्टी खोत आदि उपस्थित थे।

भर्ती व्यवस्था को पारदर्शी बना युवाओं का भविष्य संवार रही नायब सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

भाजपा नेता अशोक गुर्जर ने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों के समय जहां भर्तियों को लेकर विवाद, देरी और संदेह की स्थिति बनी रहती थी, वहीं वर्तमान सरकार ने व्यवस्था में सुधार कर युवाओं के विश्वास को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा लोक सेवा आयोग और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से होने वाली भर्तियों में तकनीक का व्यापक उपयोग किया गया है। ऑनलाइन आवेदन, कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं, सीसीटीवी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन और मेरिट आधारित चयन जैसी व्यवस्थाओं से नकल और पक्षपात पर प्रभावी रोक लगी है। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि योग्य युवाओं को बिना किसी सिफारिश और लेन-देन के नौकरी मिले। अशोक गुर्जर ने बताया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में अब तक हजारों पदों पर पारदर्शी तरीके से भर्तियां की जा चुकी हैं। केवल हाल के वर्षों में ही ग्रुप सी और ग्रुप डी की भर्तियों के माध्यम से लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। इसके साथ ही लंबित पदों को भरने की प्रक्रिया को तेज किया गया है, जिससे युवाओं को लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ रहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भर्ती प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी का परिणाम है कि आज हरियाणा की भर्तियों की मिसाल देशभर में दी जा रही है। युवाओं का भरोसा सरकार पर बढ़ा है।

12 फरवरी को प्रस्तावित हड़ताल को लेकर कर्मचारियों की बैठक का आयोजन

राष्ट्रव्यापी हड़ताल में पैक्स के सभी कर्मचारी भाग लेंगे

- चार लेबर कोड्स रद्द करने की मांग को लेकर हड़ताल करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

देश व प्रदेश मे कर्मचारियों, मजदूरों, किसानों, युवाओं और मेहनतकशों की रोजी-रोटी से जुड़ी तमाम मांगों और चार लेबर कोड्स रद्द करने की माँग को लेकर ट्रेड यूनियनों और कर्मचारी संगठनों व संयुक्त किसान मोर्चे के आह्वान पर होने जा रही राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारी बाबत आज पैक्स कर्मचारी महासंघ संबधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कार्यकारणी मिटिंग जिला प्रधान कुलदीप माजरा की अध्यक्षता मे हनुमान वाटिका कैथल मे हुई। मीटिंग मे जिला व सभी ब्लॉको के पद अधिकारी व प्रतिनिधि शमिल हुए ओर सभी ने कहा कि पैक्स के सभी कच्चे-पक्के कर्मचारी राष्ट्र व्यापी हड़ताल मे बढ़चढ़कर भाग लेंगे।

मिटिंग मे एसकेएस के जिला प्रधान ओमपाल भाल, जिला सचिव शिवचरण व जिला वरिष्ठ उपप्रधान छज्जू राम ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह हड़ताल केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा थोपी जा रही कर्मचारी एवं मजदूर विरोधी नीतियों की पलटवाकर कर्मचारियों, बेरोजगार युवाओं और आमजन के हितों की रक्षा के लिए आहूत की गई है। उक्त नेताओं ने यह भी कहा कि 12 फरवरी की हड़ताल केवल किसी एक विभाग या वर्ग की नहीं, बल्कि संविधान, सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और जनसेवाओं को बचाने की निर्णायक लड़ाई है। यदि आज संगठित प्रतिरोध नहीं हुआ तो स्थायी नौकरियां, सुरक्षित पेंशन और आम जनता के लिए सुलभ सेवाएं गंभीर खतरे में पड़ जाएंगी। संघ ने आरोप लगाया कि श्रम संहिताओं, लेबर कोड, ठेका प्रथा और पेंशन से जुड़े निर्णयों के जरिए मजदूर-कर्मचारी विरोधी नीतियां लागू की जा रही हैं। साथ ही समाज को धर्म और जाति के नाम पर बांटकर वास्तविक मुद्दों—रोजगार, महंगाई, शिक्षा स्वास्थ्य मान सम्मान से जीने के अधिकारो से वंचित करके आपने चहेते पूंजीपतियो को लाभ पहुंचाया जा रहा है। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने सभी कर्मचारी संगठनों, मेहनतकशों, युवाओं और आम नागरिकों से 12 फरवरी की हड़ताल को सफल बनाने की अपील की है और इसकी तैयारी को लेकर 9-10 फरवरी को राज्य स्तरीय जत्था जिले के सभी विभागो मे नुकड मिटिंग व सभाऐ आयोजित करके सभी को हड़ताल मे भागेदारी करके सफल बनाने की अपील करेगा।

जत्था पहुंचा जींद

जींद। आगामी 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारियों को लेकर रविवार को सीटू एवं सर्व कर्मचारी संघ का जत्था जींद के गांव रामगढ़, घिमाना, बौबीपुर, ईगराह व गुलकनी पहुंचा। जिसने मजदूर व किसानों को संबोधित किया। जनसभाओं को संबोधित करते हुए कपूर ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की नीतियां लगातार मेहनतकश जनता के अधिकारों का हनन कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में श्रम कानूनों को कमजोर कर पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया है। नवंबर में पारित चार लेबर कोड्स को रद्द करवाने, न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये लागू करने, पक्की नौकरी की गारंटी और निर्माण मजदूरों के पंजीकरण की बहाली के लिए 12 फरवरी को ऐतिहासिक चक्का जाम किया जाएगा। मजदूर नेताओं ने मनरेगा की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विकसित भारत जी राम जी के नाम पर मनरेगा के मूल ढांचे को खत्म किया जा रहा है।

ये रहे शामिल

मिटिंग मे रामलाल, कर्नल सिंह, बदन सिंह, राजबीर भाल, नरेश कुमार कांगथली, सुखदायल, चांदी राम, बलकार सिंह, सुरेश कुमार पाड़ला, दलबीर सिंह व अन्य कर्मचारी उपस्थित हुए।

शिक्षा विभाग के लिपिक हड़ताल में होंगे शामिल

कैथल। सर्व कर्मचारी संघ से सम्बंध हरियाणा एजुकेशन मिनिस्टीरियल स्टाफ एसोसिएशन राज्य कमेटी की आनलाईन मिटिंग प्रांतीय प्रधान संदीप सांगवान की अध्यक्षता में संपन्न हुई । संदीप सांगवान ने कहा कि सरकार व विभाग लगातार फिल्ड मिनिस्टीरियल स्टाफ कर्मियों का शोषण कर रहा है। रेशनेलाईजेशन के नाम पर पदो को खत्म किया जा रहा है। फिल्ड में पहले ही पदोन्नति के अवसर बहुत ही कम है। फिल्ड कर्मियों के पदोन्नति के 50 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं, पदोन्नति ना करने से 32 साल नोकरी करने वाला क्लर्क इसी पद से रिटायर हो रहा है।

12वीं के छात्रों के सम्मान में किया विदाई समारोह

राजौंद। एसडीम स्कूल के दौरान मौजूद विद्यार्थी व अन्य।

राजौंद। एसडीएम विद्यालय के प्रांगण में कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर अश्वनी शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं, जिनसे वातावरण उल्लासमय हो गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिन्हें अध्यापकों की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों द्वारा अपने सभी अध्यापकों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान कक्षा 12वीं की मानसी एवं सौरभ को मिस एवं मिस्टर फेयरवेल घोषित किया गया। इसी क्रम में कक्षा 12वीं के छात्र अभिषेक को भी मिस्टर फेयरवेल का खिताब प्रदान किया गया। वहीं कक्षा 11वीं से अंजली एवं निखिल को मिस एवं मिस्टर फेयरवेल चुना गया।